जिनमन्दिर में आओ

प्रस्तुति- तपिश शास्त्री, उदयपुर

जिनमंदिर किसका प्रतीक है?

समवशरण

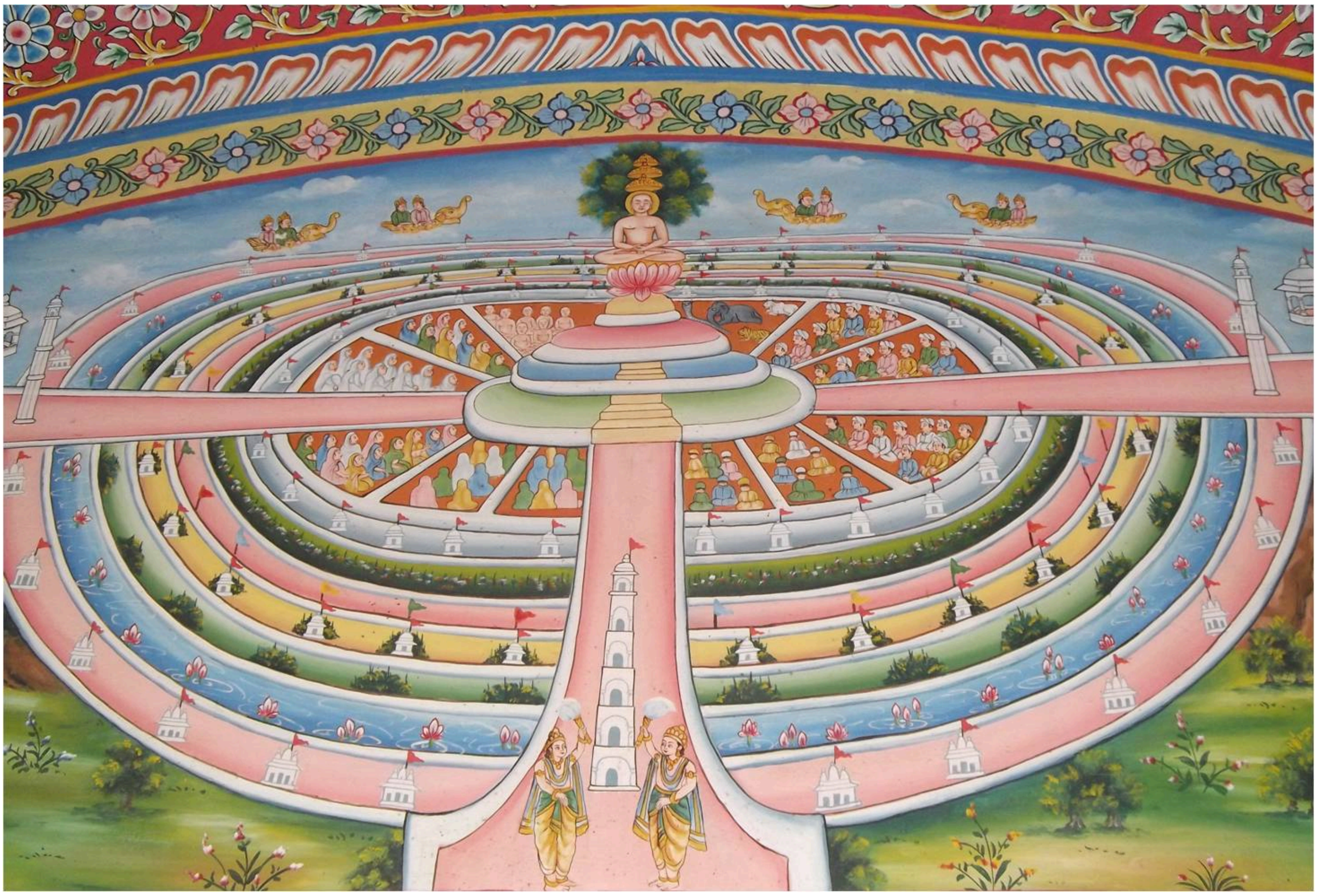

मंदिर शब्द का क्या अर्थ होता है?

भवन,

निवास

मंदिर में मूल नायक कौनसे परमेष्ठी होते हैं?

अरहंत परमेष्ठी

मंदिर में मूलनायक भगवान का मुख कौनसी दिशा में होता है?

उत्तर / पूर्व

मंदिर में मूलनायक के अरहंत परमेष्ठी होने का सूचक क्या है?

अष्ट प्रातिहार्य

मूल समवशरण में अरहंत भगवान पर कितने चंवर देवताओं द्वारा ढोरे जाते हैं?

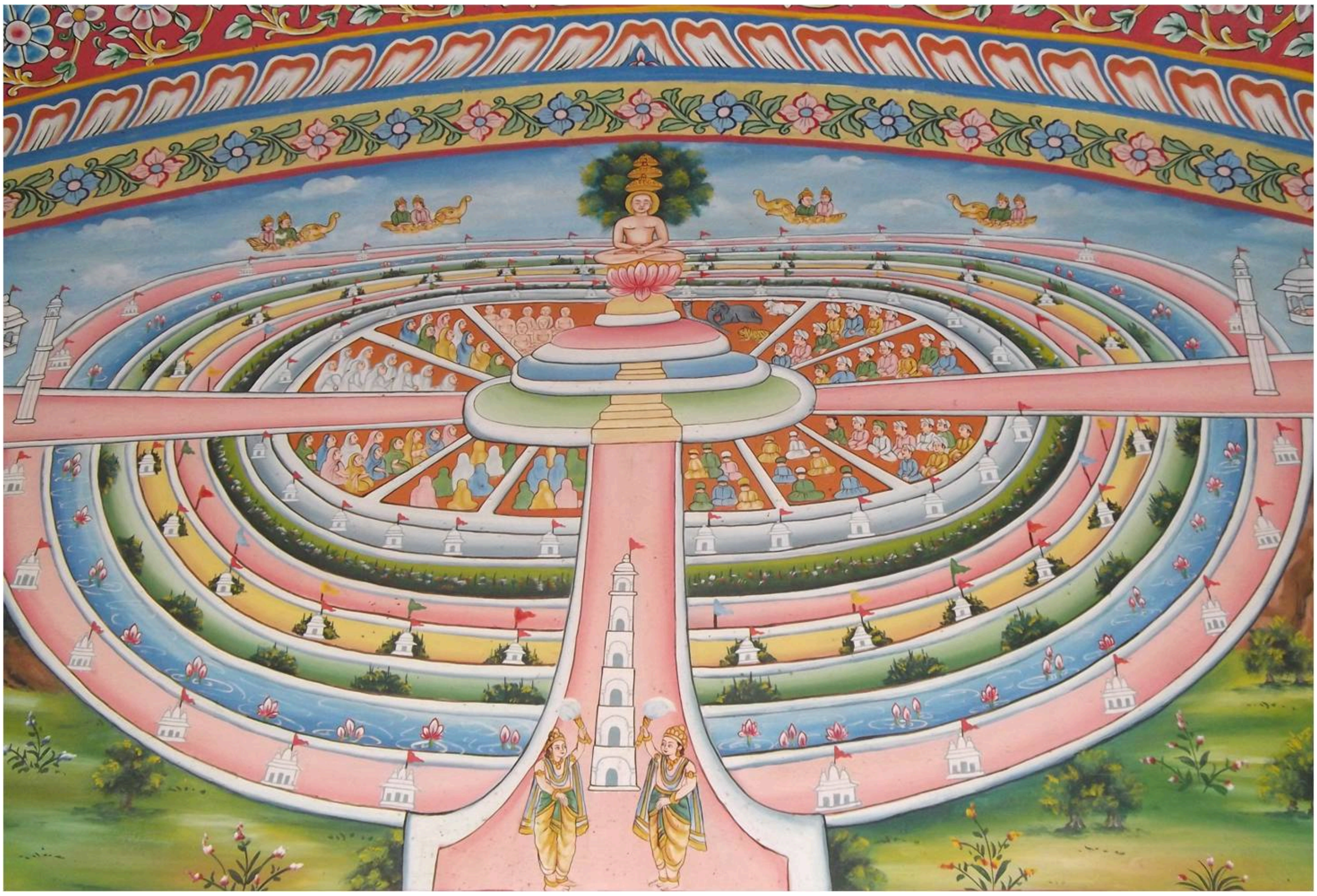

64

भव्य जीवों को समवशरण में अपने सात भव कहाँ दिखाई देते हैं?

भामंडल

तीन लोक में कितने जिनमंदिर हैं?

असंख्यात

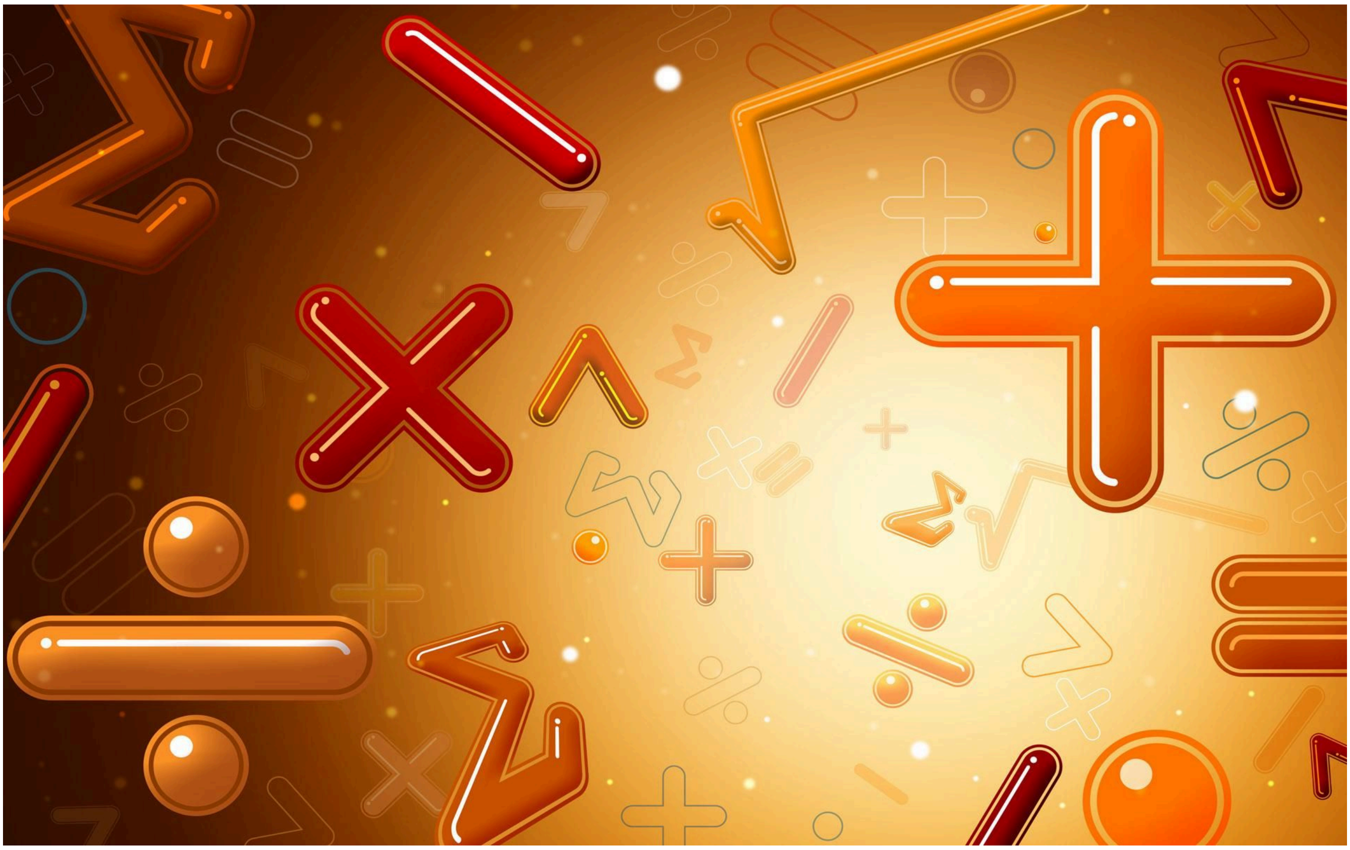

मंदिर में भगवान के तीन लोक का स्वामीपना किस वस्तु से पता चलता है?

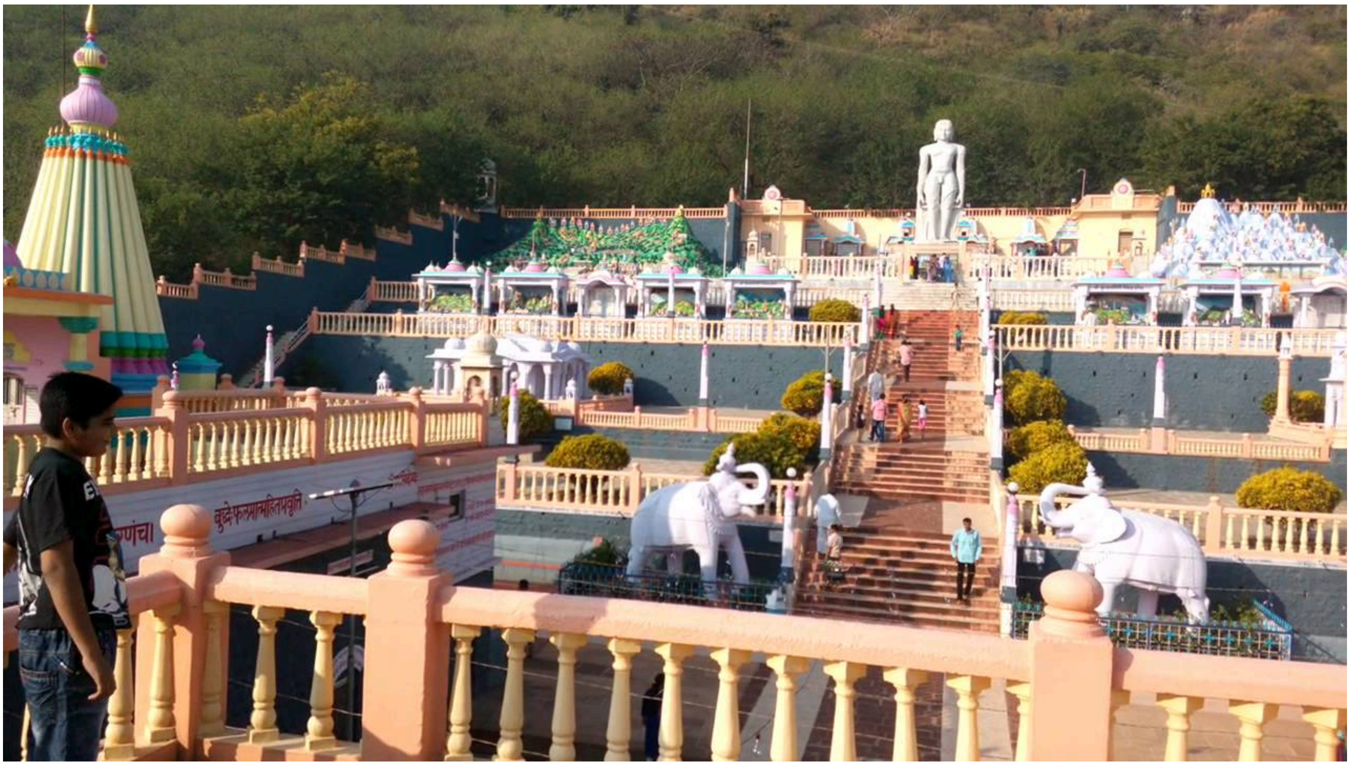

छत्र

त्रय

पूजा के अष्ट द्रव्य के अलावा और कौनसे द्रव्य मंदिर में होते हैं?

अष्ट

मंगल द्रव्य

तीन लोक में कितने अकृत्रिम चैत्यालय हैं?

आठ करोड़ छप्पन लाख सिंतानवें हजार चार सौ इक्क्यासी

8, 56, 97, 481

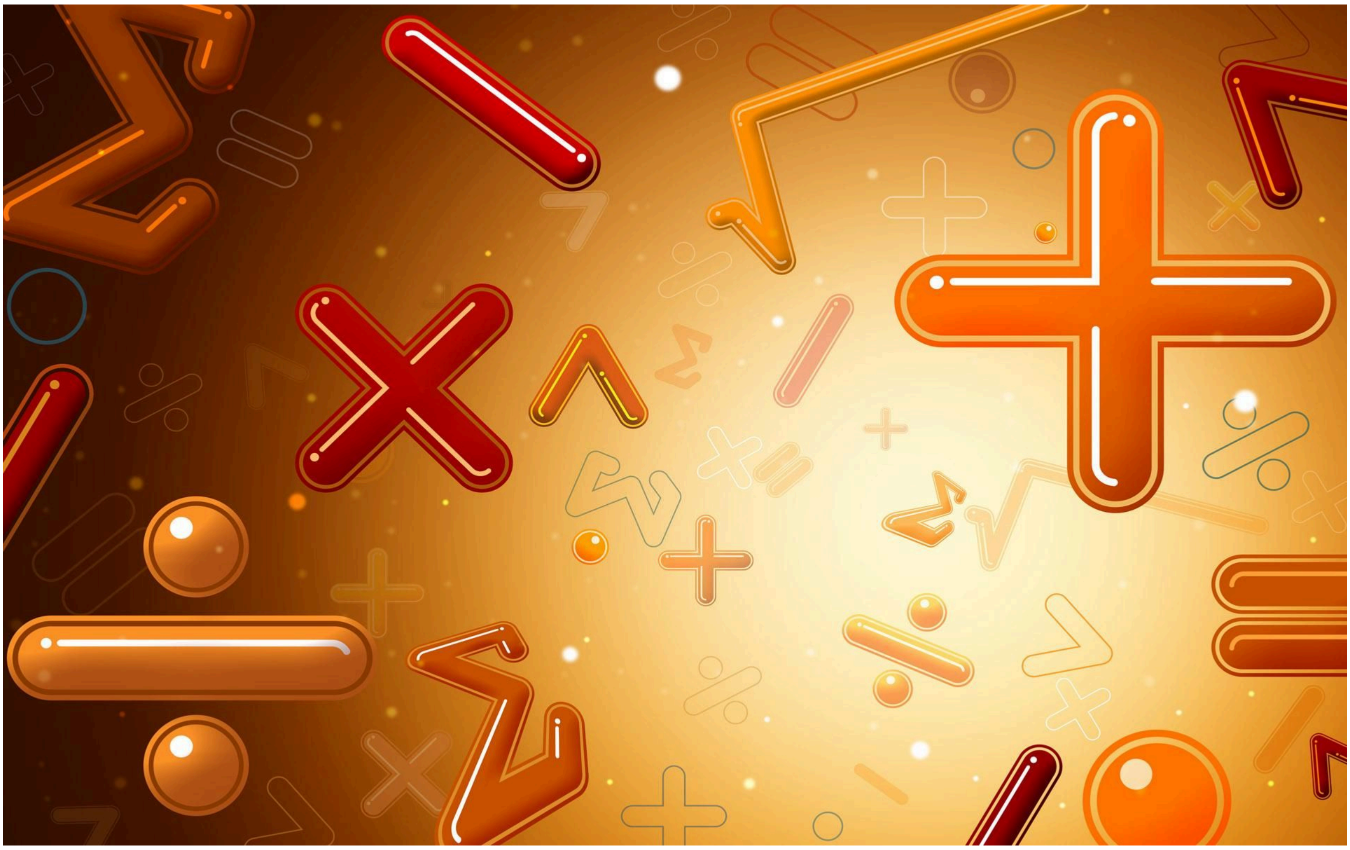

एक अकृत्रिम चैत्यालय में कितनी प्रतिमा होती हैं?

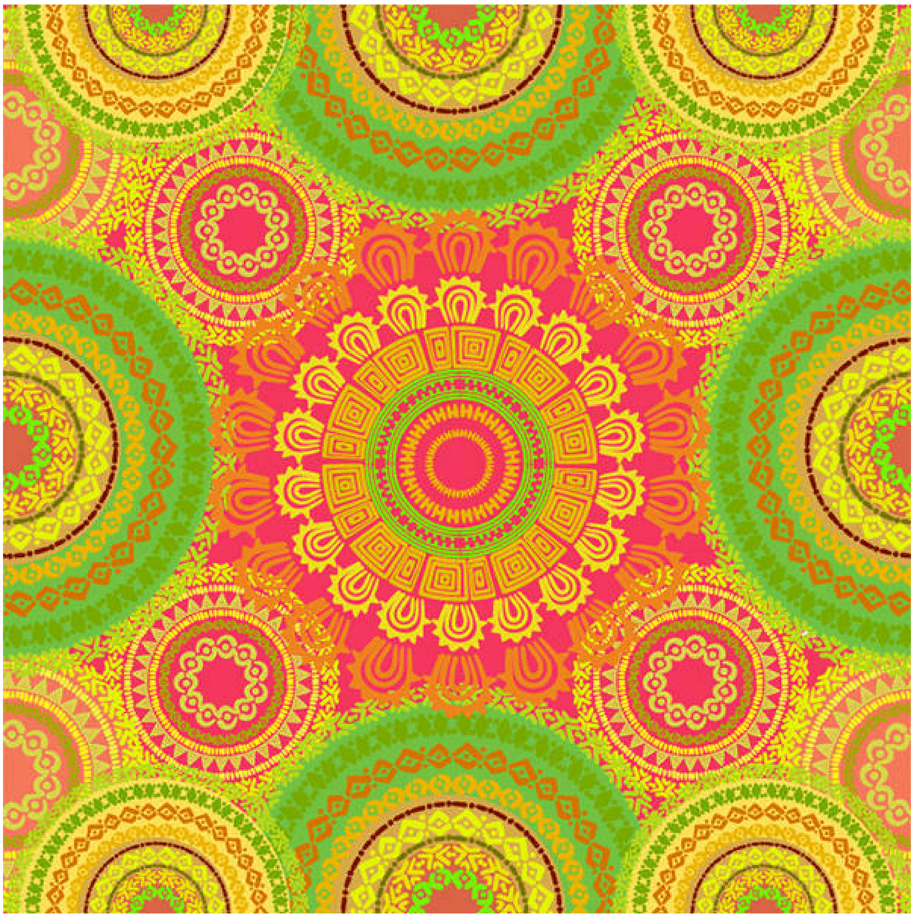

108

मंदिर में दिव्यध्वनि का प्रतीक क्या होता है?

जिनवाणी

मंदिर में लौकिक चर्चाएँ नहीं करनी है – यह प्रतिज्ञा हम कैसे लेते हैं?

निःसहि निःसहि निःसहि बोलकर

रत्नत्रय प्राप्ति की भावना से कौनसा कार्य किया जाता है?

तीन परिक्रमा

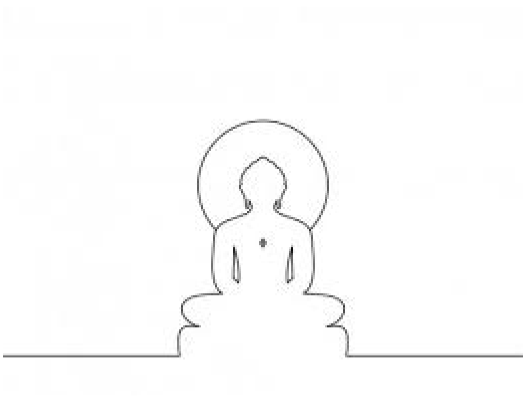

भगवान के साथ लगा 1008 किसका प्रतीक है?

1008 शुभ लक्षण / जन्मातिशय

Round

2

मुनिराज के 108 उत्तरगुण होते हैं

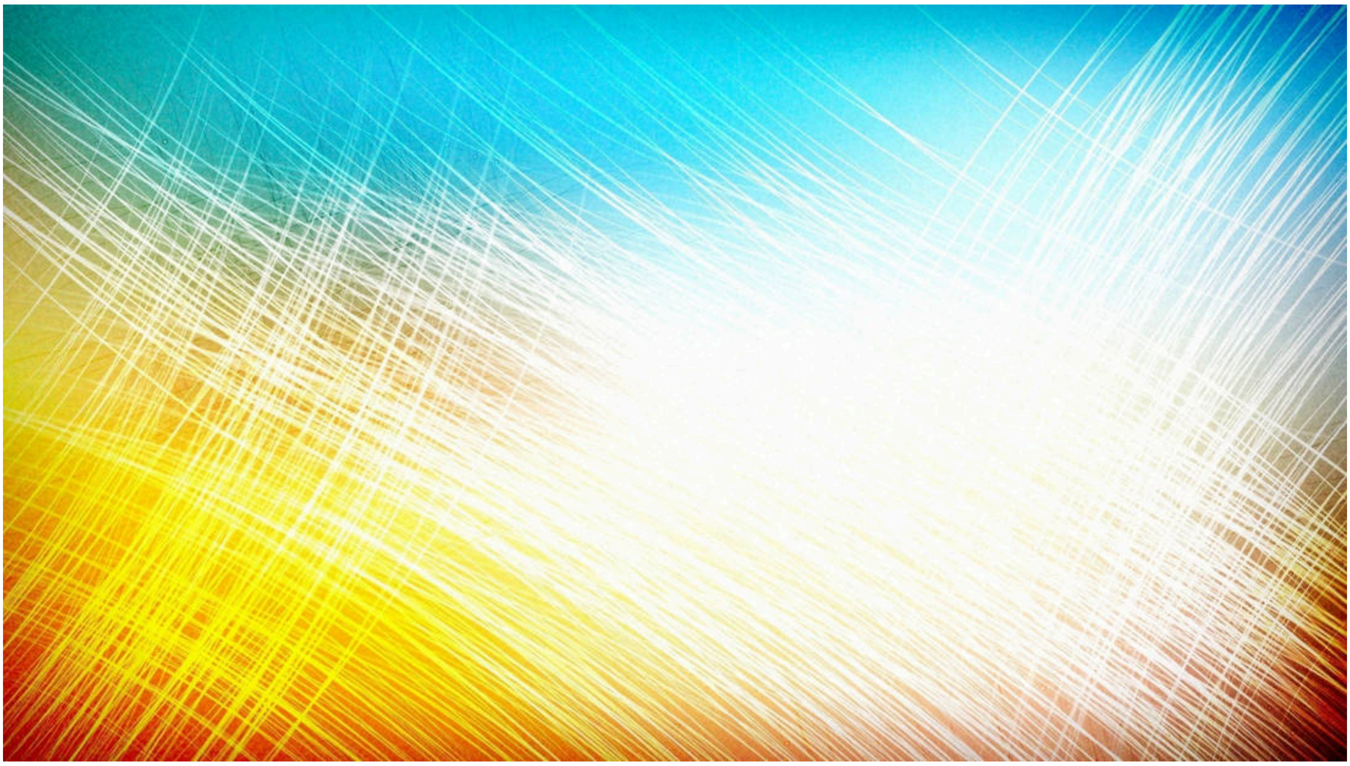

माला में 108 मनके होते हैं

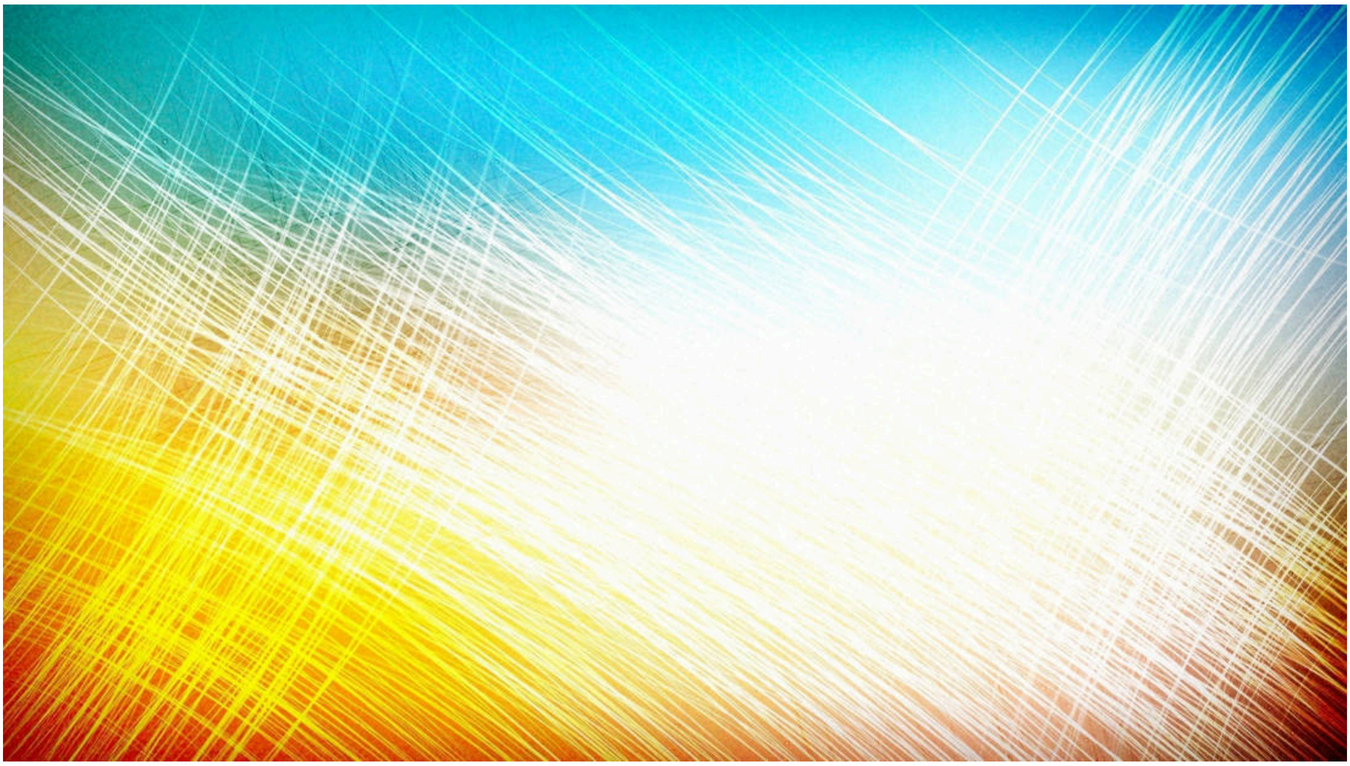

सम्यग्दर्शन के

8 अंग होते हैं

पूजन के

8 द्रव्य होते हैं

ज्ञानी मुनिराज के 64 ऋद्धियाँ होती हैं

अरहंत पर देवगण 64 चंवर ढुराते है

योग तीन

होते हैं

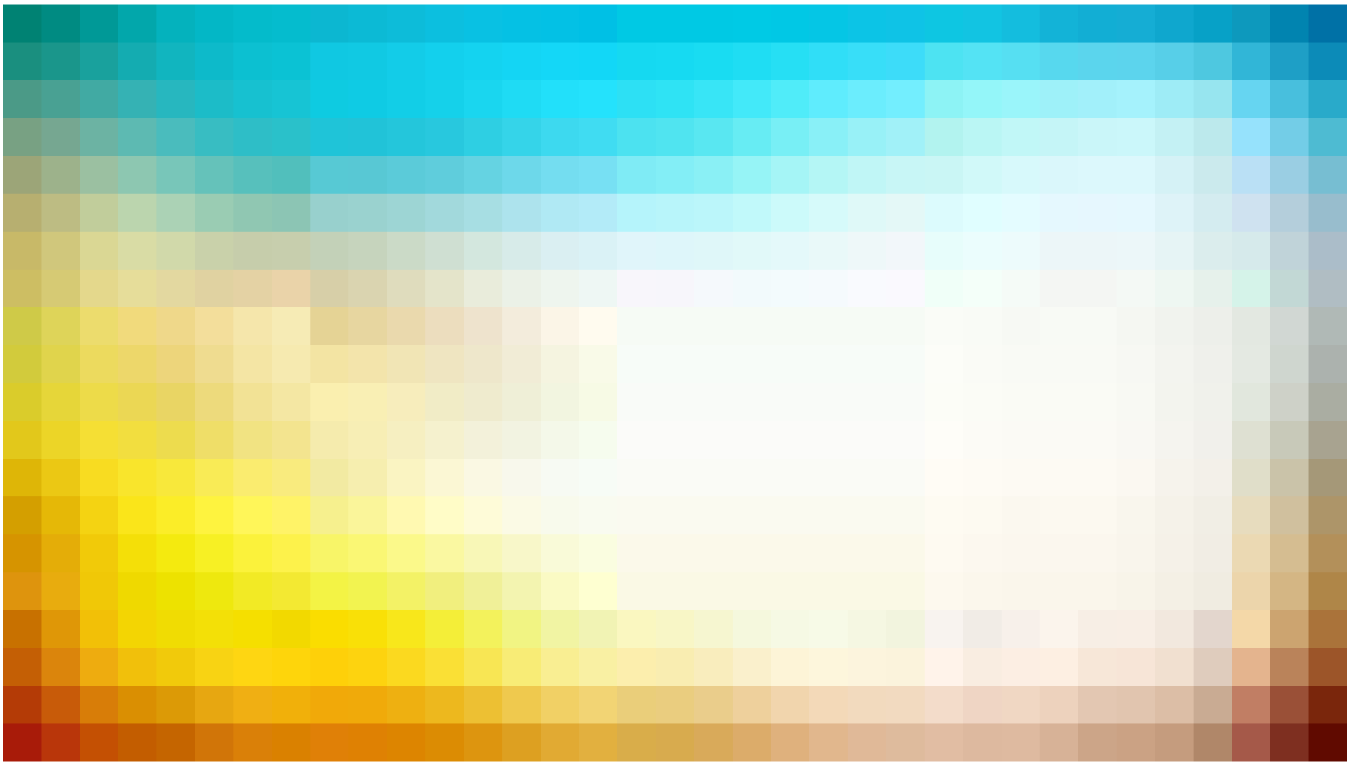

छत्र तीन

होते हैं

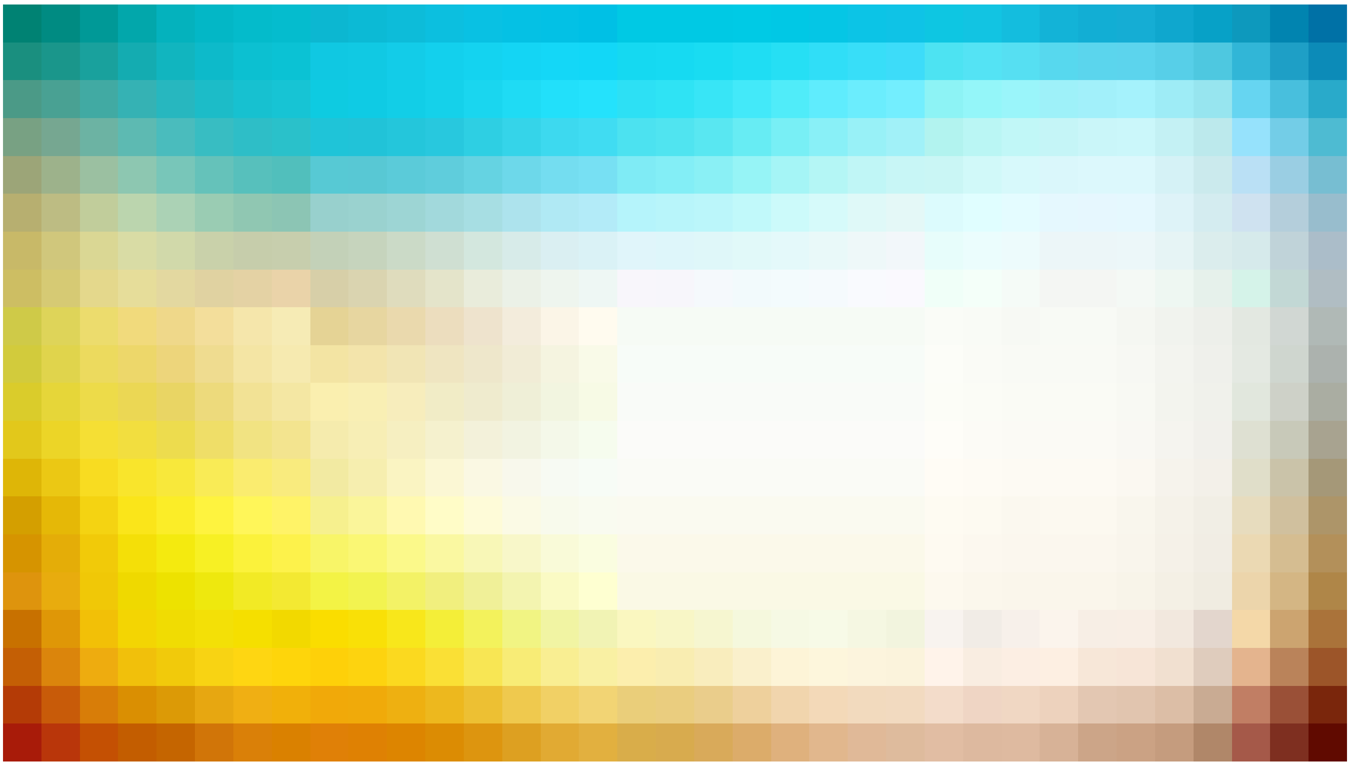

मुनिराज पांच

समिति पालते हैं

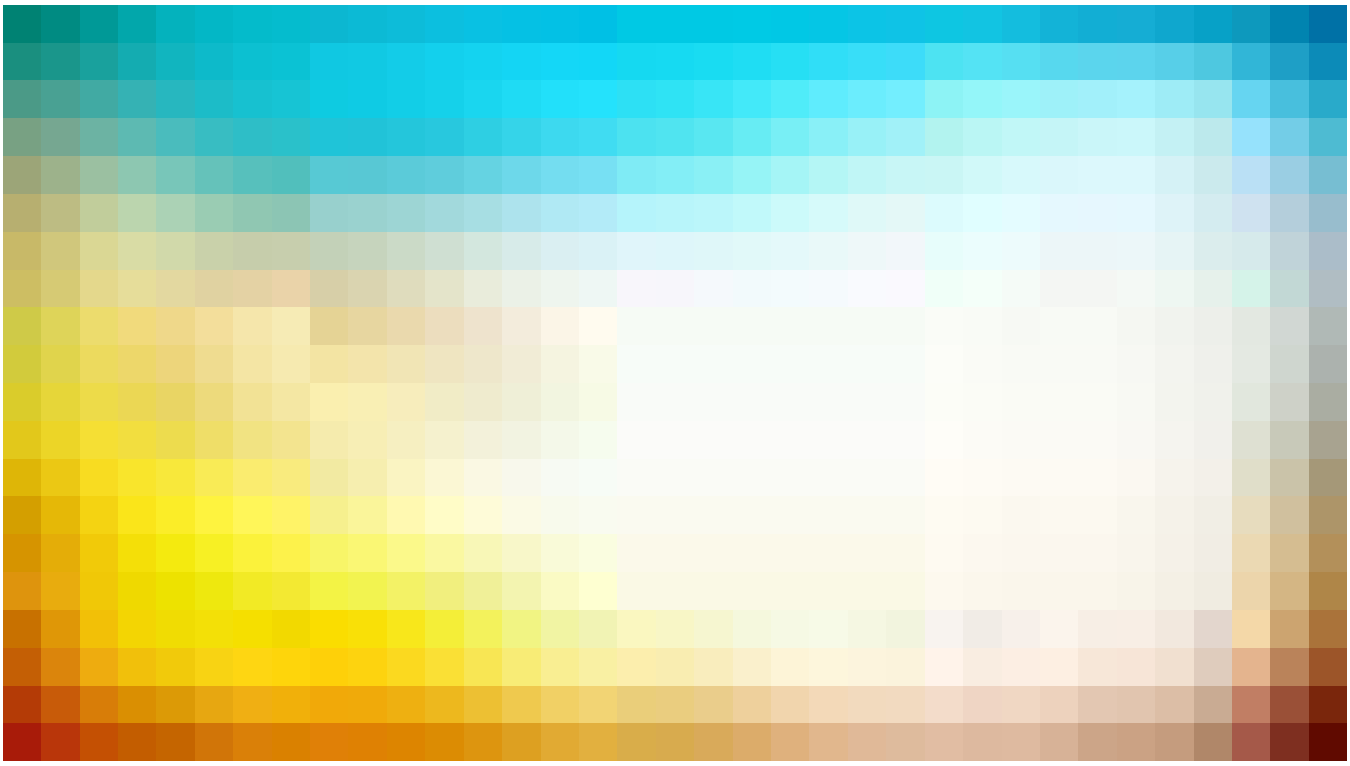

पूजा के पांच अंग होते हैं

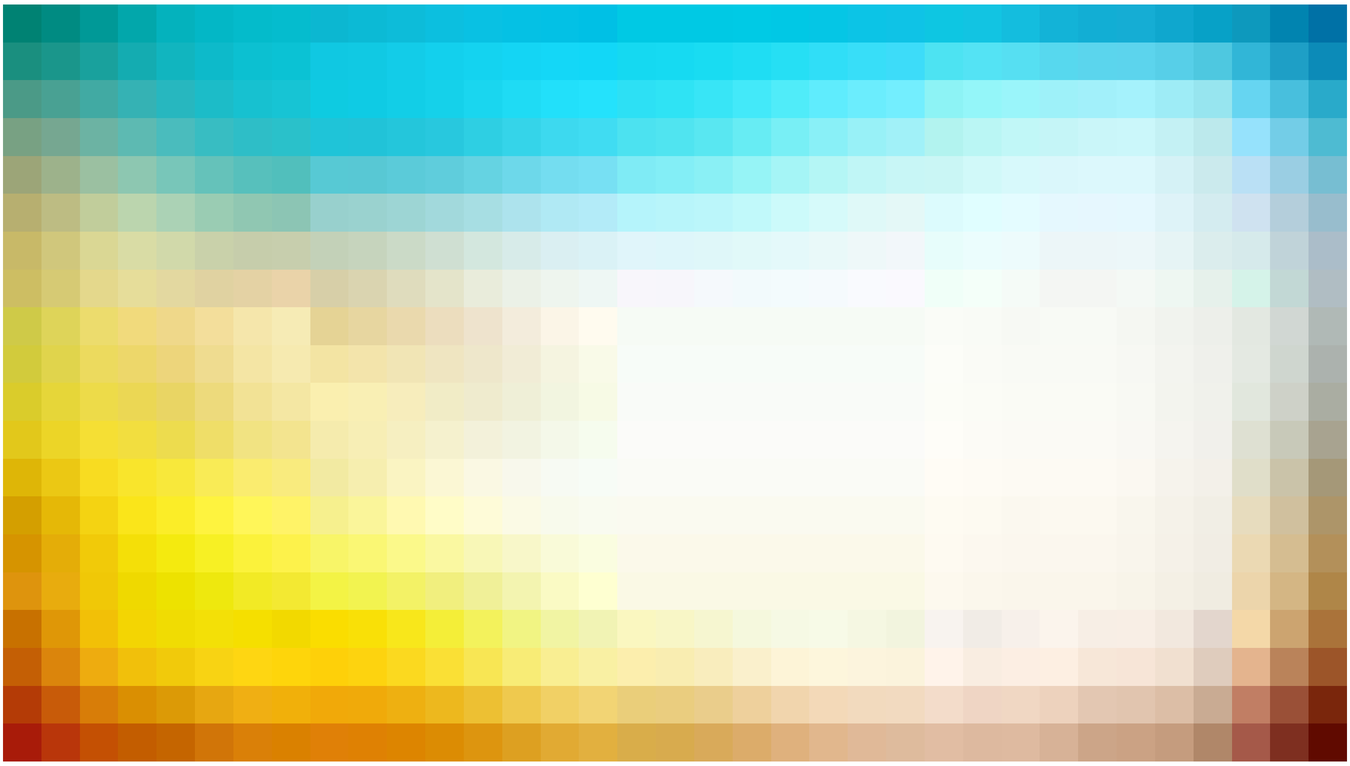

Round

3

मंगलायतन

विश्वविद्यालय

शाश्वत धाम

उदयपुर

चन्द्रपुरी

सोनागिरी

सिद्धक्षेत्र

स्वर्णपुरी

सोनगढ़

Nainagiri, M.P.
www.JainTeerth.com

नैनागिरी